दैनिक जागरण कानपुर 11/02/2022

दलहन दिवस | सीएसए विवि की ओर से जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में हुई आनलाइन गोष्ठी

दलहन में आत्मनिर्भर हो रहा देश

जासं, कानपुर : पिछले वर्षों में प्रदेश ही नहीं देश भर में दलहन का उत्पादन बढ़ा है। इससे देश दालों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। सीएसए विवि के कुलपति डा. डीआर सिंह ने गुरुवार को विश्व दलहन दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के जैव संवर्धित गांव अनूपपुर के किसानों को आनलाइन संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

कुलपति ने बताया कि प्रदेश में दलहन का क्षेत्र 22.90 लाख हेक्टेयर, उत्पादन 23.07 लाख टन और उत्पादकता 10.51 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। देश में दलहन का क्षेत्र 28.99 मिलियन हेक्टेयर, उत्पादन 24.42 मीट्रिक टन व उत्पादकता 8.42 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। केंद्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से विश्व दलहन दिवस हर वर्ष मनाया जाता है, ताकि दालों के पोषण, महत्व व पर्यावरणीय लाभ के बारे में जागरूक किया जा सके। इस वर्ष की थीम 'युवाओं को टिकाऊ कृषि खाद्य प्रणाली में सशक्त बनाने के लिए दालें' थी। मृदा वैज्ञानिक डा. खलील खान ने बताया कि दालें प्रोटीन का स्रोत हैं। दलहनी फसलों की जड़ों में राइजोबियम जीवाणु होता है, जो वायुमंडल से नाइट्रोजन अवशोषित कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाता है। पशुपालन वैज्ञानिक डा. शशिकांत ने किसानों को पशु पालन व दुग्ध उत्पादन की सलाह दी। डा. अजय कुमार सिंह, डा. निमिषा अवस्थी, निदेशक प्रसार डा. एके सिंह ने भी विचार रखे।

सीएसए विवि में जुटेंगे देश भर के कृषि विशेषज्ञ

जासं, कानपुर : प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सीएसए विवि में चुनाव के बाद दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें विवि के पूर्व छात्रों का सहयोग होगा और कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक अपने व्याख्यान देंगे। साथ ही शोधार्थी अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। प्राकृतिक व जैविक खेती कर रहे किसान भी अपने अनुभव साझा करेंगे। विवि के कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि मिट्टी की सेहत सुधारने और प्रदूषण की रोकथाम के लिए जैविक व प्राकृतिक खेती जरूरी

है। हाल ही में केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए बजट में भी जैविक व प्राकृतिक खेती के साथ ही इसमें नई तकनीकी का प्रयोग बढ़ाने के लिए कहा गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में 16 व 17 अप्रैल को जैविक व प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

हिंदुस्तान कानपुर 11/02/2022

दलहन में अपना देश आत्मनिर्भर

कानपुर। विश्व दलहन दिवस के मौके पर सीएसए में कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि दलहन में देश आत्मनिर्भर हो गया है और इसमें मुख्य भूमिका उप्र निभा रहा है। प्रदेश में दलहन का क्षेत्रफल 22.90 लाख हेक्टेयर, उत्पादन 23.07 लाख टन व उत्पादकता 10.51 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। देश में दलहन का क्षेत्रफल करीब 28.99 मिलीयन हेक्टेयर, उत्पादन 24.42 मीट्रिक टन व उत्पादकता 8.42 कुंतल प्रति हेक्टेयर है।

दैनिक जागरण कानपुर 11/02/2022

सीएसए बना रहा गंगा किनारे जैविक खेती की रूपरेखा

जासं, कानपुर : गंगा नदी के किनारे व आसपास के गांवों में प्राकृतिक व जैविक खेती के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कार्ययोजना तैयार करनी शुरू की है। इसमें किसानों को विवि की ओर से प्रशिक्षित करने पर भी विचार किया जा रहा है। जल्द कार्ययोजना बनाकर सरकार को भेजी जाएगी।

पिछले दिनों वित्त मंत्री ने बजट भाषण में गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए तटों के दोनों ओर जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ाने पर जोर

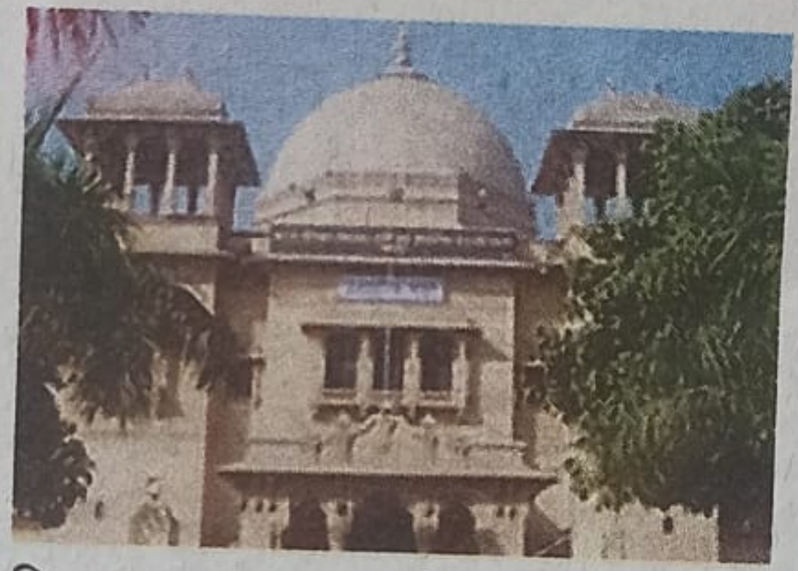

दिया था। सरकार की इसी योजना के अनुरूप सीएसए विवि के कुलपति के निर्देशन में वैज्ञानिकों ने जैविक व प्राकृतिक खेती को और बढ़ाने के लिए कार्य शुरू किया है। विवि के निदेशक शोध डा. करम हुसैन ने बताया कि विवि की ओर से वर्ष 2020 से ही प्राकृतिक खेती को बढ़ाने के लिए काम हो रहा है। सचेंडी, दलीप नगर, अनूप नगर समेत स्थानों पर दर्जनों किसान प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करके खेती करने लगे हैं और उनकी उपज भी बेहतर हो रही है। अब गंगा नदी के किनारे भी प्राकृतिक व जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि नदियों के दोनों छोर पर जैविक व प्राकृतिक तरीके से खेती शुरू कराने का प्रस्ताव बनाया जा रहा है।

edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

उत्तराखंड में मोदी की पहली चुनावी रैली... 12

पहले कभी लगता था, अब कांवड़ यात्रा निकलती... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 120
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

लखनऊ | शुक्रवार | 11 फरवरी, 2022

दालें अत्यधिक पौष्टिक होने के साथ-साथ प्रोटीन का समृद्ध स्रोत भी : डॉ. खलील खान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

भारत दलहन के क्षेत्र में आत्म निर्भर हो गया है देश में दलहन का क्षेत्रफल लगभग 28.99 मिलीयन हेक्टेयर तथा उत्पादन 24.42 मीट्रिक टन एवं उत्पादकता 8.42 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। वहीं उत्तर प्रदेश में दलहन का क्षेत्रफल 22.90 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 23.07 लाख टन एवं उत्पादकता 10.51 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। यह बात गुरुवार को सीएसएयू के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा जैव संवर्धित गांव अनूपपुर मे मनाए गए विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. डी. आर. सिंह ने कही। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि विश्व दलहन दिवस का आयोजन विश्व भर में 10 फरवरी को आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य टिकाऊ खाद्य उत्पादन के रूप में दालों के पोषण उनके महत्व और पर्यावरणीय लाभों के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि साल 2022 के लिए विश्व दलहन दिवस की थीम 'युवाओं को टिकाऊ कृषि खाद्य प्रणाली प्राप्त करने में, सशक्त बनाने के लिए दालें' निर्धारित की गई है। इसी विषय पर आज का कार्यक्रम केंद्रित है। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि दालें अत्यधिक पौष्टिक होने के साथ-साथ प्रोटीन का समृद्ध स्रोत भी है जो शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि दलहनी फसलों की जड़ों में उपस्थित राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित कर मृदा की उर्वरा शक्ति को बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में फसलों के विविधीकरण तथा खेती के क्षेत्र में नवाचार आवश्यक है।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:19 | देहरादून, गुरुवार, 10 फरवरी, 2022 | पृष्ठ:08

जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में मनाया गया विश्व दलहन दिवस

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में आज विश्व दलहन दिवस मनाया गया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश में दलहन का क्षेत्रफल 22.90 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 23.07 लाख टन एवं उत्पादकता 10.51 कुंतल प्रति हेक्टेयर है जबकि देश में दलहन का क्षेत्रफल लगभग 28.99 मिलीयन हेक्टेयर तथा उत्पादन 24.42 मीट्रिक टन एवं उत्पादकता 8.42 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। उन्होंने कहा दलहन के क्षेत्र में हमारा देश आत्मनिर्भर हो गया है इस अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार ने कहा कि विश्व दलहन दिवस का आयोजन विश्व भर में 10 फरवरी को आयोजित किया जाता है। जिसका उद्देश्य टिकाऊ खाद्य उत्पादन के रूप में दालों के पोषण उनके महत्व और पर्यावरणीय लाभों के बारे में जागरूक करना है।

डॉ कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व दलहन दिवस खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित एक वैश्विक कार्यक्रम है उन्होंने बताया कि साल 2022 के लिए विश्व दलहन दिवस की थीम युवाओं को टिकाऊ कृषि खाद्य प्रणाली प्राप्त करने में, सशक्त बनाने के लिए दालें निर्धारित की गई है और आज का कार्यक्रम इसी विषय पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि आज की जीवन चर्या में लोग फास्ट फूड को ज्यादा महत्व देने लगे हैं और इसका प्रभाव लोगों के विशेषकर बच्चों और युवा वर्ग के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है उन्होंने बताया कि लोगों के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के लिए दालें कितनी आवश्यक है इसीलिए इस दिवस को मनाया जा रहा है इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कहा कि दालें अत्यधिक पौष्टिक होने के साथ–साथ प्रोटीन का समृद्ध स्रोत भी है जो शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव डालता है डॉक्टर खान ने बताया कि दलहनी फसलों की जड़ों में उपस्थित राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित कर मृदा की उर्वरा शक्ति को बढ़ाती हैं उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में फसलों के विविधीकरण तथा खेती के क्षेत्र में नवाचार आवश्यक है जिससे महंगी फसलों के प्रति आकर्षण, तकनीकों के इस्तेमाल व बाजार की उपलब्धता से किसानों की आय में वृद्धि हो और किसान आत्मनिर्भर बने इस अवसर पर केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि पशु पालन व दुग्ध उत्पादन कर किसान अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह एवं डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी संबोधित किया निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा विश्व दलहन दिवस आयोजित किया गया जिसमें महिलाओं को दाल के विभिन्न उत्पाद बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।